

प्रेषक,

आनन्द बर्द्धन,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

संख्या : / 2017-5-1(2)/2017

सेवा में,

मुख्य परियोजना निदेशक
जलागम प्रबन्ध निदेशालय, देहरादून।

कृषि एवं विपणन अनुभाग(जलागम)

देहरादून : दिनांक 27 अप्रैल, 2017

विषय: वित्तीय वर्ष 2017-18 के लेखानुदान के अन्तर्गत स्वीकृत बजट के सापेक्ष उत्तराखण्ड विकेन्द्रीकृत जलागम विकास परियोजना हेतु धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 312/3(150)/XXVII(1)/2017 दिनांक 31.03.2017 एवं अपर निदेशक, जलागम प्रबन्ध निदेशालय के पत्रसंख्या 3835/3-2(ब) दिनांक 11.04.2017 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड विकेन्द्रीकृत जलागम विकास परियोजना हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में लेखानुदान के माध्यम से प्राविधानित धनराशि रु0 603987 हजार (रु0 साठ करोड उन्तालीस लाख सत्तासी हजार मात्र) संलग्नक-1 के अनुसार निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्तानुसार आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही धनराशि को सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारियों के निर्वर्तन पर रख दिया जायेगा।

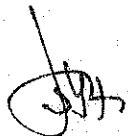
2(1) उक्तानुसार निर्वर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आवंटन/व्यय योजना हेतु लागू वर्तमान नियमों, आदेशों, निर्धारित मानकों, समय-समय पर राज्य सरकार/भारत सरकार द्वारा निर्गत मार्ग निर्देशों/गाईड लाईन्स के अनुसार उसी कार्य/योजना हेतु किया जायेगा, जिसके लिये स्वीकृति प्रदान की जा रही है।

2(2) उक्तानुसार आवंटित धनराशि का उपयोग किसी ऐसे व्यय का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका अथवा मूल आदेशों के अधीन सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक हो। ऐसे में सक्षम अधिकारी की स्वीकृति व्यय के पूर्व प्राप्त कर ली जायेगी तथा धनराशि माहवार आवश्यकतानुसार ही आहरित की जायेगी।

2(3) उक्तानुसार स्वीकृत की जा रही धनराशि का यथाआवश्यकता किशतों में आहरण किया जायेगा और पूर्व आहरित धनराशि के पूर्ण उपयोग के बाद ही अगली किशत का कोषागार से आहरण किया जायेगा।

2(4) उक्तानुसार एकमुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम प्राधिकारी अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाय।

2(5) उक्तानुसार स्वीकृत की जा रही धनराशि का समयान्तर्गत उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा धनराशि की प्रतिपूर्ति का विवरण समयान्तर्गत सम्बन्धित कोषेत करते हुये धनराशि की प्रतिपूर्ति यथासमय प्राप्त करने के सम्बन्ध में कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।



3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2017-18 के "अनुदान संख्या-17" के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "2401-फसल कृषि कर्म- 001-निदेशन तथा प्रशासन-97-बाह्य सहायतित योजना-9701-उत्तराखण्ड विकेंद्रीकृत जलागम विकास परियोजना के अन्तर्गत संलग्नक-1 के अनुसार सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

4. उक्त स्वीकृति वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 312/3(150)/XXVII(1)/2017 दिनांक 31.03.2017 में विहित व्यवस्था के क्रम में WWW.cts.uk.gov.in से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन हेतु निर्गत विशिष्ट नम्बर/अलॉटमेंट आई0डी के अन्तर्गत जारी की जा रही है।

संलग्न : यथोपरि।

भवदीय,

(आनन्द बर्द्धन)
प्रमुख सचिव

संख्या : 183 (1)/ 2017-5-1(2)/2017 तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
2. महालेखाकार, ऑडिट, उत्तराखण्ड, इन्दिरा नगर, देहरादून।
3. आयुक्त कुमायू मण्डल नैनीताल/गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
4. समस्त जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड
5. निदेशक कोषागार उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड़ देहरादून।
7. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
8. वित्त (व्यय नियंत्रक) अनुभाग-4/ नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
9. निदेशक एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

संलग्न : तथोपरि।

आज्ञा से,

(ओमकार सिंह)
संयुक्त सचिव,